>

Title: Need to provide adequate facilities at Vijethua Mahabiran Dham, a tourist destination of religious importance, in Sultanpur parliamentary constituency, Uttar Pradesh.

**डॉ. संजय सिंह (सुल्तानपुर):** मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र सुल्तानपुर के विकास खण्ड करौंदी कला में स्थित विजेथुआ महावीरन धाम की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। विजेथुआ महावीरन धाम एक पौराणिक स्थल है तथा इस धाम के प्रति लोगों में अपार श्रद्धा एवं भक्तिभाव है। मंगलवार और शनिवार के दिन इस धाम में हजारों श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं।

अत्यंत खेद का विषय है कि भारत सरकार की अमेठी-सुल्तानपुर पर्यटन परिपथ योजना, वर्ष 2008-09 के माध्यम से 171.48 लाख रूपये स्वीकृत होकर खर्च होने के बावजूद इस धाम पर श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इस योजना के तहत पेयजल व्यवस्था के लिए 5 बोरिंग, 3 ओवरहेड टैंक का निर्माण होने के बावजूद पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है।

मकरी कुंड तथा हत्याहरण कुंड में स्वच्छ पानी भरे जाने की समुचित व्यवस्था नहीं है। पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा उक्त धाम पर ल गाये गये विभागीय बोर्ड द्वारा इस धाम के ऐतिहासिक महत्व को भी गलत दर्शाया गया है जिससे स्थानीयवासियों में रोष व्याप्त है। इस धाम के बारे में यह बात प्रचलित है कि लक्ष्मण जी की प्राण रक्षा हेतु संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान जी इसी मार्ग से जा रहे थे, जिन्हें रोकने के लिए रावण ने कालनेमि नामक राक्षस को लगाया था। हनुमान जी ने इसी स्थल पर कालनेमि का वध किया और हत्याहरण कुण्ड में स्नान किया। जबकि पर्यटन विभाग द्वारा लगाये गये बोर्ड पर दर्शाया गया है कि हनुमान जी को संजीवनी बूटी लेकर वापस आते समय कालनेमि ने रोकने का प्रयास किसा और हनुमान जी ने इसी स्थान पर उसका वध किया।

मेरा यह अनुरोध है कि पर्यटन विभाग द्वारा विजेथुआ महावीरन धाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने हेतु आवंटित धनराशि एवं उससे कराये गये विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाय तथा विकास कार्यों में अनियमितता बरतने वाले अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाय। साथ ही पर्यटन विभाग द्वारा लगाये गये भ्रामक बोर्ड के स्थान पर इस ऐतिहासिक महत्व वाले पैराणिक स्थल की प्रचलित एवं सत्य घटना को दर्शाकर दूसरा बोर्ड लगाने एवं इस मामले में दोषी अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाय।